This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6527**

Unique Paper Code : **2052101203**

Name of the Paper : **Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhaein**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi-DSC**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10=20

(क) यहाँ तक हमने सामान्य रीति पर जातीय उन्नति और अवनीति के नियम कहे। पर खूबी नियमों की किसी एक मुख्य जाति पर लगाने से और उनका पूरा-पूरा असर पर दिखलाने में है। हम समझते हैं कि सबसे उत्तम उदाहरण हमको अपनी ही जाति पर लगाने के अतिरिक्त और कहाँ मिलेगा। बहुत आदिकाल से प्रारंभ कर हम जब से इस जाति को लक्ष्य करते हैं तो उस विभेदक गुण का बीज पाते हैं और उसका नाम मननशीलता ही रखेंगे।

अथवा

मनुष्य की प्रकृति में शील और सात्विकता का आदि संस्थापक यही मनोविकार है। मनुष्य की सज्जनता या दुर्जनता अन्य प्राणियों के साथ उसके संबंध या संसर्ग द्वारा ही व्यक्त होती है।

P.T.O.

यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करे तो उसका कोई कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में न आएगा। उसके सब कर्म निर्लिप्त होंगे। संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दुःख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है।

(ख) गाँधीजी के असहयोग आंदोलन और चरखा-अभियान से अनेक उदारवादी विचारक चिन्तित हो गये थे। वे भारत और ब्रिटेन का संबंध तोड़ने के पक्ष में न थे। वे ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर भारत को 'डोमीनियन' या अर्द्ध-उपनिवेश बनाने का स्वप्न देख रहे थे। रवीन्द्रनाथ राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के नये उभार का समर्थन न करके पूर्व और पश्चिम को सांस्कृतिक धरातल पर मिलाने का प्रचार कर रहे थे।

अथवा

दिल्ली, लखनऊ, इलाहाबाद से पटना तक के कितने ही रेडियो कवि सम्मेलनों में हम साथ-साथ काव्य पाठ करते रहे थे। मैं उन्हें खूब डूबकर सुनता था, चाहता था : बंद खिड़कियाँ, दरवाजे पर पड़े मोटे रंगीन पर्दे—सब इस ऐसी ताजा हवा के झोंकों से हिलने-झूलने लगे। मेरी कच्ची ललक की मायूसी न हुई। हाँ, यह एहसास बेशक हुआ कि विवेक स्थिरता लाता है। रस की छलकन मशहूर है। अज्ञेय का विरस, शांत लेखन अपनी अलग अहमियत रखता है।

2. 'जातियों का अनूठापन' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 15

अथवा

निबंध के तत्त्वों के आधार पर 'आचरण की सभ्यता' की समीक्षा कीजिए।

3. 'करुणा' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 15

अथवा

'भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

4. 'नये संघर्ष' में चित्रित निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'सदाचार का ताबीज' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

5. शास्त्रीजी ने अज्ञेय को एक नये ही रूप में पाठकों के समक्ष रखा है। स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' का प्रतिपाद्य लिखिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5,5

(क) राम विलास शर्मा का साहित्यिक परिचय

(ख) 'आचरण की सभ्यता' की भाषा-शैली।